PRGI. No.: MHMUL/25/A2419

प्यूपिल्स टाइम्स

PUPILS TIMES

Volume : 1 | Issue : 11 | Mumbai | Friday, 17 April to 23 April 2026 | Weekly | Pages: 8 | Price : 3 Rs.

महाराष्ट्र में भीषण गर्मी की चेतावनी

नागरिक जरूरी सावधानी बरतें - राज्य सरकार

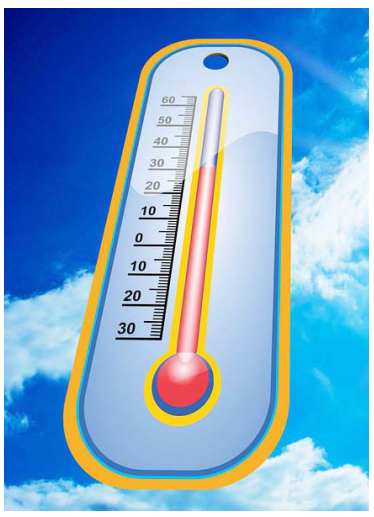

मुंबई - महाराष्ट्र सरकार ने मौसम विभाग ने अगले कुछ दिनों में राज्य में तेज गर्मी की चेतावनी दी है। अलग-अलग हिस्सों में तापमान काफी बढ़ने की संभावना है और स्टेट इमरजेंसी ऑपरेशन सेंटर ने लोगों से जरूरी सावधानी बरतने की अपील की है।

स्टेट इमरजेंसी ऑपरेशन सेंटर की तरफ से जारी एक प्रेस रिलीज में कहा गया है, 15 से 18 अप्रैल के बीच मध्य महाराष्ट्र में, 16 से 18 अप्रैल के बीच मराठवाड़ा में, 15 से 19 अप्रैल के बीच विदर्भ में और 15 से 17 अप्रैल के बीच कोंकण में गर्म और नमी वाला मौसम रहने की संभावना है।

गर्मी से बचने के लिए, लोगों को खूब पानी और डफ्र पीना चाहिए, हल्के और ढीले कपड़े पहनने चाहिए और बाहर जाते समय टोपी या छाते का इस्तेमाल करना चाहिए। छाया में आराम करना और घर के अंदर रहने की कोशिश करना जरूरी है। सीनियर सिटिजन और बच्चों पर खास ध्यान देने को कहा गया है। साथ ही, दोपहर 12 बजे से शाम 4 बजे के बीच धूप में बाहर निकलने से बचें, शराब और कैफीन वाली ड्रिंक्स पीने से बचें और गर्मी में ज्यादा काम करने से बचें। प्रेस रिलीज में यह भी कहा गया है कि बच्चों या जानवरों को धूप में खड़ी गाड़ियों में न छोड़ें। प्रशासन ने पब्लिक जगहों पर पीने का पानी देने, ज़िला लेवल पर हीट एक्शन प्लान लागू करने और अस्पतालों में जरूरी दवाएँ स्टॉक में रखने पर जोर दिया है। स्कूलों को नोटिस जारी करने, जरूरत के हिसाब से टाइम बदलने और मीडिया के जरिए जागरूकता फैलाने के भी कदम उठाए जा रहे हैं। कहा गया है कि बड़े प्रोग्राम के लिए छाया और पानी का इंतजाम किया जाए, मेडिकल मदद और ORS उपलब्ध हों और हो सके तो प्रोग्राम का टाइम बदला जाए। मजदूर, किसान और बाहर काम करने वाले लोग सुबह या शाम को काम करें, रेगुलर पानी पिएँ, आराम करें और हीटस्ट्रोक के लक्षणों का ध्यान रखें।

महिला सशक्तिकरण से देश का होगा विकास

33% महिला आरक्षण से देश में आएगी क्रांति - फडणवीस

मुंबई - मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि देश का आगे सचमुच विकास करना है तो देश की आधी आबादी को भी उसका अधिकार देना होगा। दादर (पूर्व) योगी सभागृह में नारी शक्ति विचार मंच की ओर से आयोजित नारी शक्ति महिला सम्मेलन में उन्होंने कहा कि 33 प्रतिशत महिला आरक्षण से देश में नई क्रांति की शुरूआत होगी। नारी शक्ति के बलबूते भारत तेजी से विकास करेगा। उन्होंने कहा कि भारत के इतिहास में बड़ा बदलाव होने जा रहा है।

पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी ने महिला आरक्षण को लेकर बहुत प्रयास किया लेकिन सरकार को अन्य दलों का समर्थन नहीं मिला। पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह ने प्रयास किया मगर इच्छाशक्ति की कमी थी। फड़नवीस ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सरकार बनने के बाद ही बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ अभियान से महिलाओं के विकास का काम शुरू किया।

महिला सांसदों की संख्या बढ़ेगी

सरकार को लिंग समानुपात पर सफलता मिली। उन्होंने कहा कि विकसित भारत में महिलाओं का योगदान जरूरी है। आज महिलाएं हर क्षेत्र में अपना योगदान दे रही हैं। सेना, स्पेस सब जगह महिलाओं की भागीदारी देख रही है। महिला आरक्षण से संसद में महिला सांसदों की संख्या बढ़ेगी जिससे देश तेजी से तरक्की करेगा।

फिल्म अभिनेत्री रवीना टंडन ने मोदी सरकार के काम की तारीफ करते हुए कहा कि आज की सरकार सिर्फ. बातें नहीं करती, करके दिखाती है। महिलाओं के अधिकारों के लिए भारत सबसे अच्छा देश है। क्योंकि, कुछ देशों में महिलाओं के अधिकार नहीं के बराबर हैं। यह सिर्फ. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की वजह से मुमकिन हो पाया है। हम महिलाओं को एयर फोर्स, आर्मी में काली-चंडी का रूप देखते हैं। महिला अकाउंटेंट जो बाहर जाकर मेहनत करती हैं, पैसा कमाती हैं, वे सब लक्ष्मी हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने हमें वह ताकत दी है, जिससे हम पार्लियामेंट में भी अपनी आवाज उठा सकते हैं और देश को तरक्की की ओर ले जाएंगे।

महाराष्ट्र में विधान परिषद की 9 सीटों के लिए चुनाव का ऐलान, 12 मई को वोटिंग

मुंबई - चुनाव आयोग ने गुरुवार को महाराष्ट्र विधान परिषद में खाली हो रही 9 सीटों के लिए चुनाव कार्यक्रम की घोषणा कर दी है। इन 9 विधान परिषद सीटों के लिए आवेदन 23 अप्रैल से भरे जा सकेंगे और मतदान 12 मई को होना तय है। वोटों की गिनती मतदान वाले दिन ही शाम 5:00 बजे होगी। यह चुनाव खाली सीटों को भरने के लिए कराया जा रहा है। क्योंकि उद्धव ठाकरे , शशिकांत शिंदे समेत 9 विधायकों का कार्यकाल 13 मई को समाप्त होने वाला है।

चुनाव आयोग की ओर से जारी कार्यक्रम के अनुसार, नामांकन पत्र 23 अप्रैल 2026 से दाखिल किए जा सकेंगे। वहीं नामांकन दाखिल करने की अंतिम तिथि 30 अप्रैल 2026 है। नामांकन पत्रों की जांच 2 मई को की जाएगी, जबकि 4 मई, 2026 नामांकन वापस लेने का अंतिम दिन है। विधान परिषद चुनाव के लिए मतदान 12 मई, 2026 को सुबह 9:00 बजे से शाम 4:00 बजे तक होगा। इसके बाद वोटों की गिनती उसी दिन शाम 5:00 बजे शुरू होगी।

इस बीच विधानसभा में मौजूदा संख्या बल के आधार पर 9 विधान परिषद सीटों का बंटवारा कुछ इस प्रकार होने की संभावना है। बीजेपी के लिए 5 सीटें।

इन विधायकों का कार्यकाल समाप्त हो रहा है?

1. उद्धव ठाकरे
2. नीलम गोर्हे
3. शशिकांत शिंदे
4. अमोल मिटकरी
5. गोपीचंद पडलकर
6. रणजीतसिंह मोहिते-पाटिल
7. राजेश राठौड़
8. प्रवीण दटके
9. रमेश कराड

उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के शिवसेना गुट के लिए 2 सीटें। उपमुख्यमंत्री सुनेत्रा पवार के एनसीपी गुट के लिए 1 सीट और 1 सीट महा विकास अघाड़ी गठबंधन के तीन घटक दलों के बीच सामूहिक रूप से साझा की जाएगी।

1 मई से महाराष्ट्र में ऑटो-टैक्सी चालकों के लिए मराठी अनिवार्य, वरना रद्द होगा लाइसेंस

प्यूपिल्स टाइम्स संवाददाता

मुंबई - महाराष्ट्र में रिक्शा और टैक्सी चालकों के लिए एक बड़ा और सख्त नियम लागू होने जा रहा है. आगामी 1 मई यानी 'महाराष्ट्र दिवस' से सभी लाइसेंसधारी रिक्शा और टैक्सी चालकों के लिए स्थानीय भाषा 'मराठी' का ज्ञान होना अनिवार्य कर दिया गया है. राज्य के परिवहन मंत्री प्रताप सरनाईक ने दो टूक चेतावनी दी है कि जिन चालकों को मराठी पढ़नी और लिखनी नहीं आती, उनके लाइसेंस तत्काल प्रभाव से रद्द कर दिए जाएंगे.

इस नए नियम को सख्ती से लागू करने के लिए मोटर परिवहन विभाग के 59 क्षेत्रीय और उप-क्षेत्रीय कार्यालयों के माध्यम से एक विशेष लाइसेंस जांच अभियान चलाया जाएगा. इस अभियान के तहत संबंधित चालकों का परीक्षण किया जाएगा कि उन्हें मराठी भाषा पढ़नी और लिखनी आती है या नहीं.

परिवहन मंत्री प्रताप सरनाईक ने स्पष्ट किया कि मोटर परिवहन विभाग के नियमों के अनुसार, रिक्शा या टैक्सी चालक को लाइसेंस देते समय स्थानीय भाषा (मराठी) का ज्ञान होना पहले से ही अनिवार्य शर्त है. इसके बावजूद, मुंबई महानगर क्षेत्र, छत्रपति संभाजीनगर और नागपुर जैसे बड़े शहरों से लगातार शिकायतें मिल रही थीं.

यात्रियों का कहना था कि कई लाइसेंसधारी चालक उनसे मराठी में संवाद नहीं कर पाते हैं और कुछ जानबूझकर मराठी बोलने से बचते हैं. इसी को ध्यान में रखते हुए अब प्रशासन ने सख्ती बरतने का फैसला किया है.

प्यूपिल्स टाइम्स

संपादकीय

कई समस्याओं का समाधान है जनगणना

कल्याणकारी राज्य की भूमिका में जनगणना की भूमिका बड़ी महत्वपूर्ण मानी गई है। सदियों पहले अपनी रचना अर्थशास्त्र में कौटिल्य ने भी यह उल्लेख किया था कि यदि राज्य बेहतर शासन प्रदान करना चाहता है तो उसे अपनी जनता की भलीभाँति जानकारी होनी चाहिए। कौटिल्य का मानना था कि जो राज्य अपने लोगों की गणना नहीं करता, वह अंधकार में शासन करता है। कोविड और कतिपय अन्य कारणों से भारत में भी निरंतर चली आ रही जनगणना की राह में जो अंधकार उत्पन्न हुआ था, वह अंततः छंट गया और इस महीने की शुरूआत से देश में जनगणना की विधिवत शुरूआत भी हो गई है। चूंकि भारत विश्व का सर्वाधिक जनसंख्या वाला देश है, इसलिए गणना की यह प्रक्रिया भी उसी अनुपात में बहुत विस्तारित रहने वाली है। इसमें 30 लाख से अधिक गणना करने वाले, पर्यवेक्षक और अधिकारी महीनों तक 140 करोड़ भारतीयों से 33 प्रश्न पूछेंगे। देश के सात हजार से अधिक शहरों और छह लाख से अधिक गांवों में चलने वाली यह विश्व की सबसे बड़ी प्रशासनिक कवायद होने जा रही है। इस जनगणना की एक विशेषता यह भी है कि यह पूरी तरह डिजिटल रूप में की जाएगी। सभी भारतीय नागरिक 16 भाषाओं में उपलब्ध एक पोर्टल के माध्यम से स्वयं गणना कर सकते हैं। इसके शुभंकर का नाम प्रगति और विकास रखा गया है। इसके प्रतीकात्मक अर्थ से लेकर इससे जुड़ी आकांक्षाएं भी एकदम स्पष्ट हैं। भारत में जनगणना से जुड़ी परंपरा की जड़ें स्वतंत्रता प्राप्ति के पहले से जुड़ी हुई हैं। इसका पहला आधुनिक प्रयास ब्रिटिश शासन के दौरान 1865 और 1872 के बीच किया गया। हालांकि तब ऐसी कवायद एक साथ नहीं की गई थी और सभी प्रांतों के बीच इसे लेकर समन्वय का भी अभाव था। वर्ष 1881 में जाकर ही पहली बार अविभाजित भारत में एक साथ जनगणना हो पाई थी। स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद पहली बार 1951 में जनगणना हुई और उसके बाद से इक्का-दुक्का अपवादों के साथ यह क्रम अनवरत रूप से जारी रहा। समय के साथ जनगणना के प्रश्नों का स्वरूप भी बदलता गया। 1872 की अनुसूची में मात्र 17 प्रश्न थे, जिनमें 'कौन कहां रहता है' से अधिक कुछ दर्ज नहीं किया गया था। वहीं 1901 की जनगणना में अंग्रेजी में दक्षता के बारे में पूछा गया, जो औपनिवेशिक दौर की एक विशेष प्राथमिकता थी। हालांकि 2011 तक के अपने पड़ाव में जनगणना ने प्रवासन का इतिहास, प्रजनन रुझान, कामकाज से जुड़ी आदतें और दिव्यांगता से जुड़े विस्तृत आंकड़ों को समाहित करना आरंभ किया। ऐसे में यह कहना उचित ही होगा कि जनगणना राज्य के समक्ष उभरते पहलुओं का प्रतिबिंब ही होती है। देश में 2021 की जनगणना नहीं हो पाई। इसके पीछे एक प्रमुख कारण कोविड महामारी रही, जिसके चलते प्राथमिकताएं एकाएक बदल गई थीं और इतनी बड़ी प्रशासनिक प्रक्रिया संभव होती नहीं दिख रही थी।

सोमैया विश्वविद्यालय और ऑस्ट्रेलिया की यूनिवर्सिटी के बीच समझौता

विद्यार्थियों को मिलेगा वैश्विक अवसर

मुंबई - उच्च शिक्षा के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए भारत के Somaiya Vidyavihar University और University of Western Australia के बीच एक Memorandum of Understanding (MoU) पर हस्ताक्षर किए गए हैं। इस समझौते का उद्देश्य संयुक्त शोध, छात्र एवं फैकल्टी आदान-प्रदान और सहयोगात्मक शैक्षणिक कार्यक्रमों को बढ़ावा देना है।

यह समझौता विशेष रूप से सोमैया स्पोर्ट्स अकादमी के Sport and Exercise Science के विद्यार्थियों के लिए नई संभावनाओं के द्वार खोलेगा। विशेषज्ञों के अनुसार, यह पहल विद्यार्थियों को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सीखने और आगे बढ़ने का महत्वपूर्ण अवसर प्रदान करेगी।

विद्यार्थियों को मिलेगा अंतरराष्ट्रीय अनुभव इस MoU के अंतर्गतः विद्यार्थियों को स्टूडेंट एक्सचेंज प्रोग्राम के माध्यम से विदेश में अध्ययन का अवसर मिलेगा. सहयोगात्मक शिक्षण (Collaborative Teaching) से नई शिक्षण पद्धतियों का अनुभव प्राप्त होगा. उन्नत ह्यूमन परफॉर्मेंस लैब सुविधाओं तक पहुँच संभव होगी।

किन छात्रों को होगा लाभ?

B.Sc (Sport and Exercise Science)

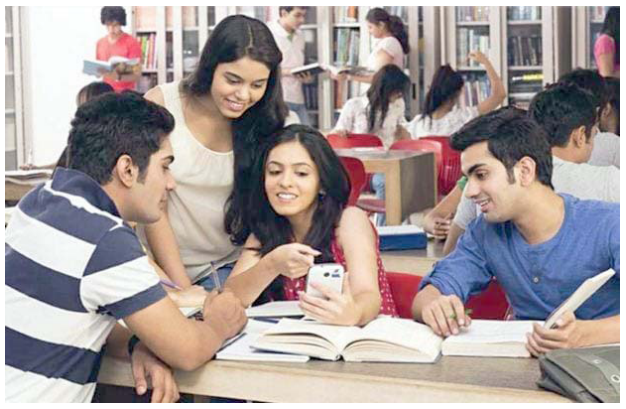

M.Sc (Sport and Exercise Science)

इन पाठ्यक्रमों के छात्र अब वैश्विक स्तर की ट्रेनिंग तकनीकों, खेल प्रदर्शन और स्वास्थ्य से जुड़ी आधुनिक विधियों को सीख सकेंगे।

शोध के क्षेत्र में नए अवसर

यह साझेदारी केवल शिक्षा तक सीमित नहीं है, बल्कि शोध के क्षेत्र में भी नए आयाम खोलेगीः

संयुक्त शोध परियोजनाओं (Joint Research Projects) में भागीदारी

अंतरराष्ट्रीय शोध टीमों के साथ काम करने का अवसर

व्यापक डेटा तक पहुँच और वैश्विक दृष्टिकोण का विकास यह समझौता भारतीय विद्यार्थियों के लिए एक बड़ी उपलब्धि है, जो उन्हें वैश्विक मंच पर अपनी प्रतिभा दिखाने का अवसर देगा। शिक्षा और शोध के क्षेत्र में इस प्रकार की साझेदारियाँ न केवल ज्ञान का विस्तार करती हैं, बल्कि छात्रों के भविष्य को भी नई दिशा प्रदान करती हैं।

अब भारतीय विद्यार्थी केवल स्थानीय नहीं, बल्कि वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धा के लिए तैयार हो रहे हैं।

अक्षय तृतीया का पावन संदेश और शाश्वत समृद्धि की परंपरा

अक्षय तृतीया हिंदू परंपरा का एक अत्यंत पावन और शुभ पर्व है जो वैशाख मास के शुक्ल पक्ष की तृतीया तिथि को मनाया जाता है यह दिन इसलिए विशेष माना जाता है क्योंकि इसमें अक्षय का भाव निहित है जिसका अर्थ है ऐसा जो कभी क्षय न हो अर्थात जिसका फल कभी समाप्त न हो.

इस दिन किए गए दान जप तप और पुण्य कर्मों का फल अक्षय माना जाता है और यह जीवन में दीर्घकालीन शुभ प्रभाव उत्पन्न करता है. धार्मिक मान्यता के अनुसार इसी दिन भगवान विष्णु के छठे अवतार परशुराम जी का जन्म हुआ था जो धर्म रक्षा के प्रतीक माने जाते हैं इसी तिथि को द्वापर युग के आरंभ का संकेत भी मिलता है जिससे यह दिन युग परिवर्तन का प्रतीक माना जाता है.

महाभारत की कथाओं में उल्लेख मिलता है कि भगवान कृष्ण ने पांडवों को अक्षय पात्र प्रदान

किया था जिससे भोजन कभी समाप्त नहीं होता था और यह अनंत समृद्धि का प्रतीक बन गया. यह पर्व नए कार्यों की शुरूआत के लिए अत्यंत शुभ माना जाता है इसलिए लोग इस दिन खरीदारी निवेश और धार्मिक कार्यों को महत्व देते हैं परंपरागत रूप से सोना खरीदने की प्रथा भी इस विश्वास से जुड़ी है कि यह स्थायी समृद्धि और सौभाग्य का प्रतीक है.

अक्षय तृतीया केवल एक धार्मिक पर्व नहीं बल्कि यह जीवन में निरंतरता स्थिरता और सकारात्मकता का संदेश देता है यह हमें यह भी सिखाता है कि सच्चा धन केवल भौतिक संपत्ति नहीं बल्कि सद्कर्म और पुण्य है जो कभी समाप्त नहीं होता. अक्षय तृतीया का मूल संदेश यही है कि मनुष्य अपने कर्मों को इतना पवित्र बनाए कि उनका फल कभी नष्ट न हो और जीवन में सदैव समृद्धि और शुभता बनी रहे।

अक्षय तृतीया की हार्दिक मंगलकामनाएँ.....

राज्यपाल और मुख्यमंत्री फडणवीस ने चैत्यभूमि में डॉ. अंबेडकर को श्रद्धांजलि अर्पित की

मुंबई - महाराष्ट्र के राज्यपाल जिष्णु देव वर्मा और मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस दादर पहुंचे। उनके साथ उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे, उपमुख्यमंत्री सुनेत्रा पवार और राज्य मंत्री छगन भुजबल ने भी चैत्यभूमि पर पुष्पांजलि अर्पित की। इससे पूर्व राज्यपाल ने राजभवन में भी बाबासाहेब की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया। चैत्यभूमि पर इस दौरान सुरक्षा के कड़े इंतजाम थे और हजारों की संख्या में अनुयायी अपने मसीहा को नमन करने पहुंचे थे। चैत्यभूमि, दादर में डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर की जयंती के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम के दौरान, राज्यपाल जिष्णु देव वर्मा के साथ मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने एक प्रदर्शनी का निरीक्षण किया। इस प्रदर्शनी में महान दूरदर्शी और भारत रत्न डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर के जीवन को दर्शाने वाली दुर्लभ तस्वीरें प्रदर्शित की गई थीं, जिसका आयोजन बृहन्मुंबई नगर निगम के जनसंपर्क विभाग द्वारा किया गया था। इस अवसर पर उपमुख्यमंत्री एकनाथ

शिंदे, उपमुख्यमंत्री सुनेत्रा अजित पवार भी उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर बाबासाहेब को याद करते हुए उन्हें एक महान अर्थशास्त्री और दूरदर्शी नेता बताया। उन्होंने लिखा भारतीय संविधान के निर्माता, विद्वान और सामाजिक न्याय के प्रबल समर्थक डॉ. बी. आर. आंबेडकर को विनम्र श्रद्धांजलि। वे न्याय, स्वतंत्रता, समानता और भाईचारे के लोकतांत्रिक आदर्शों के पीछे की एक मार्गदर्शक शक्ति थे।

महाराष्ट्र सरकार के मंत्रियों ने इस अवसर पर कहा कि बाबासाहेब का जीवन केवल एक व्यक्ति की यात्रा नहीं, बल्कि करोड़ों लोगों के सशक्तिकरण का मार्ग है। उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने कहा कि राज्य सरकार बाबासाहेब के दिखाए समतावादी रास्ते पर चलने के लिए प्रतिबद्ध है। मुंबई के साथ-साथ नागपुर के दीक्षाभूमि और बाबासाहेब से जुड़े अन्य स्थलों पर भी उत्सव का माहौल देखा गया।

आओ खेलें

	D	1	9	3	7		5	F	2	A		6			C
7	A	3			D	G		E	C	B		1		4	5
	6		8		B					3		A	D		G
	G	5	C		6	2	A				D		3		
	4		B	8	C			3	A	9			1		E
A		7					6			D		C	2	3	
		8		5	E		7			C		4			B
C					3		G			E	B	9	6		
6	7			2	5	A	1			8	C	3			
E	C		3	G		6		1				7		9	
8	1	A	4	9	F	3		6	G	7		B	5	C	
				7	8					F		G		1	6
		B				4	F	5		2	3		C	G	
3	8	G			2	5			9		A	D		F	
1	E				A	9		7						6	
	F	4					3				8		9		

प्यूपिल्स टाइम्स

ऑनलाइन गेम के जरिए बच्चों को आतंकी बनाने का गंदा खेल

महाराष्ट्र एटीएस का यह खुलासा पैरेंट्स के लिए रेड अलर्ट

मुंबई - पाक में बैठे हैडलर्स सोशल मीडिया के जरिए भारतीय युवाओं को टारगेट कर उन्हें धीरे-धीरे कट्टरपंथ की ओर धकेल रहे हैं। इन हैडलरों ने डिजिटल प्लैटफॉर्म को अपना हथियार बना रखा है और इसके जरिए युवाओं को धर्म के नाम पर गुमराह कर उन्हें कट्टरपंथी बना रहे हैं। यह खुलासा एटीएस ने किया है।

एक अधिकारी ने बताया कि मोबाइल ऑनलाइन गेमिंग के चैटबॉट के जरिए युवाओं से दोस्ती कर पहले उनका भरोसा जीता जाता है, फिर धीरे-धीरे एन्क्रिप्टेड चैट प्लैटफॉर्म जैसे टेलीग्राम, सिग्नल ऐप और डिस्कॉर्ड ऐप के जरिए युवाओं का ब्रेन वॉश कर उन्हें कट्टरपंथी बनाया जाता।

भड़काऊ विडियो, धार्मिक भाषण और हिंसक कटेंट दिखाकर उन्हें पीड़ित समुदाय की कहानी बताकर भावनात्मक रूप से तोड़ने के बाद आंतकियों को जिहादी बताकर नया नैरेटिव सेट किया जाता ताकि युवा जिहाद कर सकें।

एटीएस सूत्रों के अनुसार, मुंबई के ऑर्थर रोड जेल में बंद उत्तर प्रदेश के कुशी नगर के पडरौना निवासी रिजवान अहमद का दहशतवाद से जुड़ी गतिविधियों से पुराना इतिहास रहा है। 2016 में मुंबई पुलिस ने उसे एक आतंकी मामले में गिरफ्तार किया था, जिसके बाद से वह 2023 तक ऑर्थर रोड जेल में बंद रहा। रिजवान पर युवाओं का ब्रेनवॉश कर उन्हें ISIS में शामिल होने के लिए उकसाने का गंभीर आरोप है।

मालवणी निवासी अयाज सुलतान को कट्टरपंथ की राह पर ले जाने में भी रिजवान की अहम भूमिका थी, जो बाद में भारत छोड़कर ISIS में शामिल हो गया था। दिल्ली स्पेशल सेल ने यूपी में फूड स्टॉल चलाने वाले इसी रिजवान को दोबारा अरेस्ट किया है, जिसके कहने पर पपलू पंडित और विकास मुंबई आकर रेकी किया था। गोवंडी, कुर्ला, मालवणी, जोगेश्वरी, भिवंडी और ठाणे से जिन युवाओं को एटीएस ने बीते कुछ समयावधि में गिरफ्तार किया या पूछताछ किया है, उनके रिजवान से लिंक बताए जा रहे हैं। साथ ही यासिर खान का रिजवान के साथ मनी ट्रेल की भी जांच एटीएस औरस्पेशल सेल कर रही।

नाबालिगों को कर रहे टारगेट

सबसे चिंताजनक पहलू यह है कि इस मॉड्यूल के संपर्क में मुंबईके 4-5 नाबालिग भी है, जो ISIS प्रोपेगेंडा से प्रभावित होकर मिशन खिलाफत और सोल्जर्स ऑफ जिहाद जैसे ग्रुप्स के जरिए जुड़कर जिहादी बनने की कगार पर थे।

मुंबई के युवाओं को टारगेट करने के लिए हैंडलर फर्जी आईडी, वीपीएन और एन्क्रिप्टेड नेटवर्क का इस्तेमाल करते हैं। अपनी पहचान छिपाकर वैचारिक कट्टरता फैलाकर युवाओं से छोटे-छोटे टास्क पूरा करवाने के उन्हें धीरे-धीरे आंतकी ऑपरेशन के लिए तैयार किया जाता है। पुलिस का मानना है कि यह डिजिटल रैडिकलाइजेशन अब सबसे बड़ा खतरा बन रहा है। इससे संदिग्ध युवक कमरे में बैठकर ISIS जैसे नेटवर्क के लिए स्लीपर सेल का काम करने लग जाते हैं। इससे पहले भी सीरिया-इराक जाने की कोशिश में मालवणी से 12 युवाओं को पकड़ा गया था।

महाराष्ट्र में पुलिसकर्मियों को अब हर हाल में पहनना होगा हेलमेट

डीजीपी का सख्त आदेश; उल्लंघन पर कड़ी कार्रवाई की चेतावनी दी

प्यूपिल्स टाइम्स संवाददाता

मुंबई - सड़क सुरक्षा नियमों का पालन बेहतर बनाने के उद्देश्य से एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए, महाराष्ट्र पुलिस ने पूरे राज्य में दोपहिया वाहन चलाते समय सभी पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों के लिए हेलमेट पहनना अनिवार्य कर दिया है। यह निर्देश महाराष्ट्र के पुलिस महानिदेशक सदानंद दाते द्वारा 3 अप्रैल, 2026 को नागपुर पुलिस कमिश्नरेट में आयोजित एक बैठक के दौरान दिए गए निर्देशों के बाद जारी किया गया है।

पिछले एक दशक में विश्लेषण किए गए डेटा के अनुसार, महाराष्ट्र में होने वाली लगभग 35 से 40 प्रतिशत घातक और गंभीर सड़क दुर्घटनाओं में दोपहिया वाहन चालक शामिल होते हैं। अधिकारियों ने इस बात पर जोर दिया है कि हेलमेट पहनने से ऐसी दुर्घटनाओं में मृत्यु और गंभीर चोटों का जोखिम काफी कम हो जाता है।

जिला और कमिश्नरेट स्तर पर यातायात कानूनों और हेलमेट पहनने के नियमों को लागू करने के संबंध में नियमित प्रशिक्षण के बावजूद, राज्य के अधिकांश हिस्सों में नियमों का पालन असंतोषजनक बना हुआ है। मुंबई और नागपुर को छोड़कर, जहाँ कथित तौर पर 80 प्रतिशत से अधिक चालक हेलमेट पहनते हैं, अन्य शहरों और जिलों में हेलमेट पहनने की दर 20 प्रतिशत से भी कम है।

ये निष्कर्ष 'ब्लूमबर्ग फिलैंथ्रोपीज इनिशिएटिव फॉर ग्लोबल रोड सेफ्टी' के तहत किए गए छमाही सर्वेक्षणों पर आधारित हैं, जो पूरे महाराष्ट्र में हेलमेट पहनने के तरीकों पर नजर रखता है।

इन अवलोकनों के आलोक में, सभी पुलिस कमिश्नरेट और जिला इकाइयों को निर्देश दिया गया है कि वे तत्काल परिपत्र जारी कर पुलिस कर्मियों के लिए हेलमेट पहनना अनिवार्य करें और बिना किसी देरी के नियमों के पालन की रिपोर्ट प्रस्तुत करें।

कड़े दंड और अनुशासनात्मक कार्रवाई

मोटर वाहन अधिनियम की धारा 194डी के तहत, सभी दोपहिया वाहन चालकों के लिए हेलमेट पहनना अनिवार्य है। परिपत्र में इस बात पर जोर दिया गया है कि कानून लागू करने वाले अधिकारियों को स्वयं उदाहरण प्रस्तुत करना चाहिए और इस नियम का सख्ती से पालन करना चाहिए।

इसमें यह चेतावनी भी दी गई है कि कोई भी पुलिस अधिकारी या कर्मचारी यदि बिना हेलमेट पहने वाहन चलाते हुए पाया जाता है-विशेष रूप से यदि उसकी तस्वीर या वीडियो सोशल मीडिया पर प्रसारित हो जाता है-तो उसे मोटर वाहन अधिनियम के तहत दंड का सामना करना पड़ेगा।

ठाणे में फर्जी विवाह गिरोह चलाने वालों पर कारवाई

लुटेरी दुल्हन समेत दो गिरफ्तार

प्यूपिल्स टाइम्स संवाददाता

ठाणे - ठाणे पुलिस ने फर्जी शादी करने के बाद घर से कीमती सामान चोरी कर 'दुल्हन' के फरार होने के मामले में दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है. पुलिस की पूछताछ में गिरफ्तार आरोपियों से कई बड़े खुलासे हुए हैं. अधिकारियों ने बुधवार को यह जानकारी दी.

पुलिस अधिकारियों से मिली जानकारी के मुताबिक, महाराष्ट्र की मीरा भायंदर-वसई विरार पुलिस ने 53 वर्षीय एस्टेट एजेंट से कथित तौर पर फर्जी शादी करने के बाद घर से कीमती सामान चोरी कर 'दुल्हन' के फरार होने के मामले में दो लोगों को गिरफ्तार किया है. अधिकारियों ने बताया कि पीड़ित को जुलाई और दिसंबर 2025 में निशाना बनाया गया.

पुलिस अधिकारियों ने कहा कि आरोपियों ने कथित तौर पर एक महिला की तस्वीर दिखाकर उससे शादी कराने की बात कही. उन्होंने बताया कि पीड़ित ने प्रस्ताव को वास्तविक मानते हुए शादी की तैयारियों के लिए विभिन्न बैंक खातों में 45,750 रुपये अंतरित कर दिए.

पुलिस ने कहा, आरोपी महिला ने दुल्हन बनकर शिकायतकर्ता का विश्वास जीता और फिर उसके घर से 4,56,000 रुपये के सोने के गहने, एक लैपटॉप और अन्य कीमती सामान चोरी कर फरार हो गई. अधिकारियों ने बताया कि पीड़ित की शिकायत के आधार पर भारतीय न्याय संहिता की धारा 318(4) (धोखाधड़ी) और 303(2) (चोरी) के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई.

नकदी, गहने और लैपटॉप लेकर भागी दुल्हन

उन्होंने कहा कि गिरफ्तार आरोपियों की पहचान नेहा खंडेलवाल उर्फ जन्नत (22) और केसरिमल लक्ष्मीलाल रांका (45) के रूप में हुई है. उन्होंने बताया कि नेहा ने दुल्हन का ढोंग रचा था. पुलिस ने कहा, जांच में खुलासा हुआ कि गिरफ्तार आरोपियों ने अहिल्यानगर, जोगेश्वरी, बोरीवली और जलगांव में भी इसी तरह के अपराध को अंजाम दिया था. उन्होंने कहा कि इस मामले की जांच की जा रही है.

नेस्को घटना के बाद महाराष्ट्र में नशीले पदार्थों का खतरा बढ़ा

प्यूपिल्स टाइम्स संवाददाता

मुंबई - महाराष्ट्र कांग्रेस विधानमंडल दल के नेता विजय वडेट्टीवार ने राज्य में बढ़ते नशीले पदार्थों के खतरे पर महायुति सरकार पर तीखा हमला किया है। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि इस खतरे को नहीं रोका गया तो महाराष्ट्र को भारी कीमत चुकानी पड़ेगी। यह घटना गोरेगांव में एक कॉन्सर्ट में कथित तौर पर नशीली दवाओं के ओवरडोज से दो युवाओं की मौत के बाद किया गया। वडेट्टीवार ने बुधवार को इसे राज्य के गृह विभाग की बड़ी विफलता बताया।

नेस्को सेंटर में हुए संगीत समारोह में दो छात्रों की संदिग्ध नशीली दवाओं के ओवरडोज से 11 अप्रैल को मौत के बाद यह विवाद खड़ा हुआ। इस घटना के बाद मुंबई और कल्याण पुलिस के संयुक्त अभियान में कल्याण से एक बड़े मादक पदार्थ आपूर्तिकर्ता को गिरफ्तार किया गया। जांच में एक अंतरराज्यीय मादक पदार्थ सिंडिकेट की संलिप्तता सामने आई है। वडेट्टीवार ने महाराष्ट्र की मौजूदा स्थिति की तुलना एक दशक पहले पंजाब में आए नशीली दवाओं के संकट से की। उन्होंने कहा कि नशीले पदार्थों का जाल मुंबई और पुणे जैसे बड़े महानगरों से आगे बढ़कर पूरे राज्य में फैल रहा है। उन्होंने कहा कि नासिक, संभाजी नगर और विदर्भ क्षेत्र में भी ऐसी घटनाएं सामने आ रही हैं। वडेट्टीवार ने आरोप लगाया कि 17 पुलिसकर्मियों को मादक पदार्थ तस्करों की कथित मदद के आरोप में बर्खास्त करना गृह विभाग की विफलता दर्शाता है।

कांग्रेस ने सरकार को घेरा

प्यूपिल्स टाइम्स

जीवन विज्ञान में करियर

नए युग के विद्यार्थियों के लिए सुनहरा अवसर

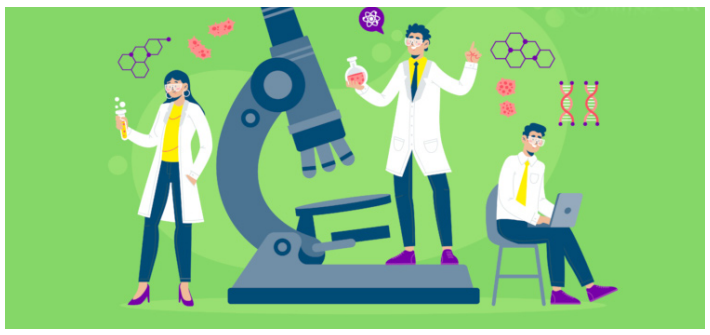

वर्तमान समय में विज्ञान और तकनीक की तेज प्रगति ने जीवन विज्ञान क्षेत्र को नई ऊँचाइयों पर पहुँचा दिया है। रोगों की पहचान, उपचार और स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार के लिए लगातार नए शोध और तकनीकों का विकास हो रहा है। ऐसे में विद्यार्थियों के लिए यह क्षेत्र न केवल ज्ञानवर्धक बल्कि करियर की दृष्टि से भी अत्यंत महत्वपूर्ण बन गया है।

क्या है जीवन विज्ञान?

जीवन विज्ञान वह शाखा है जिसमें जीवित प्राणियों मनुष्य, पशु, पौधे एवं सूक्ष्म जीवों का वैज्ञानिक अध्ययन किया जाता है। बायोटेक्नोलॉजी, जीनोमिक्स, माइक्रोबायोलॉजी और क्लिनिकल रिसर्च इसके प्रमुख अंग हैं।

बढ़ते अवसर, नई संभावनाएँ

विशेषज्ञों के अनुसार, जीवन विज्ञान क्षेत्र में करियर के अवसर तेजी से बढ़ रहे हैं। रिसर्च साइंटिस्ट, लैब टेक्नीशियन, बायोइन्फॉर्मेटिक्स विशेषज्ञ और क्लिनिकल रिसर्चर जैसे पदों की मांग निरंतर बढ़ रही है। आज के समय में ऐसे पेशेवरों की आवश्यकता है, जो प्रयोगशाला, डेटा विश्लेषण और क्लिनिकल कार्य–तीनों क्षेत्रों में संतुलन बनाकर कार्य कर सकें।

कौशल की कमी बनी चुनौती

हालांकि अवसरों की कमी नहीं है, लेकिन इस क्षेत्र में प्रशिक्षित और कुशल युवाओं की कमी एक बड़ी चुनौती बनकर सामने आई है। आधुनिक तकनीकों, जीनोमिक्स और डेटा एनालिसिस में दक्षता रखने वाले विशेषज्ञों की मांग बढ़ रही है, जबकि ऐसे योग्य उम्मीदवारों की संख्या अपेक्षाकृत कम है।

कैसे करें शुरूआत?

विद्यार्थियों को 10वीं के बाद विज्ञान वर्ग का चयन करना चाहिए। इसके पश्चात BSc, Biotechnology या संबंधित विषयों में उच्च शिक्षा प्राप्त कर वे इस क्षेत्र में अपना भविष्य बना सकते हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि केवल डिग्री ही नहीं, बल्कि व्यावहारिक ज्ञान और नई तकनीकों की समझ भी अत्यंत आवश्यक है।

जरूरी कौशल

- **प्रयोगशाला कार्य का अनुभव**
- **कंप्यूटर एवं डेटा विश्लेषण की समझ**
- **शोध एवं रिपोर्ट लेखन क्षमता**
- **समस्या समाधान की योग्यता**
- **शिक्षा और उद्योग का सहयोग आवश्यक**

शिक्षाविदों का कहना है कि विद्यार्थियों को बेहतर अवसर प्रदान करने के लिए शिक्षण संस्थानों और उद्योगों के बीच सहयोग बढ़ाना आवश्यक है। इंटर्नशिप, प्रशिक्षण कार्यक्रम और शोध परियोजनाएँ विद्यार्थियों को वास्तविक अनुभव प्रदान करती हैं।

भविष्य की दिशा

विशेषज्ञों का मानना है कि यदि विद्यार्थियों को प्रारंभिक स्तर पर ही सही मार्गदर्शन और आवश्यक कौशल प्रदान किए जाएँ, तो भारत जीवन विज्ञान क्षेत्र में वैश्विक स्तर पर अग्रणी बन सकता है।

जीवन विज्ञान केवल एक विषय नहीं, बल्कि भविष्य की दिशा है। यह क्षेत्र उन विद्यार्थियों के लिए विशेष अवसर प्रदान करता है, जो विज्ञान के माध्यम से समाज की सेवा करना चाहते हैं। स्पष्ट है–आज की तैयारी ही कल की सफलता की कुंजी है।

सबरीमाला: विचाराधीन मुद्दे पर संतुलित विमर्श की आवश्यकता

सबरीमाला मंदिर से संबंधित मामला इस समय सर्वोच्च न्यायालय में विचाराधीन है और 7 अप्रैल 2026 से इसकी सुनवाई पुनः प्रारंभ हो चुकी है। यह विषय अब केवल एक धार्मिक परंपरा तक सीमित नहीं रहा, बल्कि आस्था, समानता और संवैधानिक मूल्यों के बीच संतुलन का व्यापक प्रश्न बन गया है।

ऐसी स्थिति में यह आवश्यक हो जाता है कि इस विषय पर होने वाली सार्वजनिक चर्चा जिम्मेदार, संतुलित और तथ्याधारित हो। किसी भी लोकतांत्रिक समाज में न्यायिक प्रक्रिया के दौरान विचार-विमर्श पर पूर्ण प्रतिबंध नहीं होता, परंतु यह अपेक्षा अवश्य रहती है कि प्रस्तुत विचार न्यायालय के निर्णय को प्रभावित करने का प्रयास न करें और न ही किसी पक्ष विशेष के प्रति उत्तेजना उत्पन्न करें।

वर्तमान संदर्भ में यह समझना महत्वपूर्ण है कि न्यायालय का कार्य परंपरा का मूल्यांकन करना नहीं, बल्कि यह देखना है कि क्या संबंधित प्रथा संविधान द्वारा प्रदत्त मौलिक अधिकारों के अनुरूप है। इसी कारण यह मामला व्यापक संवैधानिक विमर्श का विषय बन चुका है।

फैसले की समयसीमा को लेकर कोई निश्चितता नहीं है और अंतिम निर्णय आने में समय लग सकता है। अतः इस अवधि में आवश्यक है कि समाज में संयम, संवेदनशीलता और परिपक्वता बनी रहे।

विचाराधीन विषयों पर लेखन तभी सार्थक होता है जब वह तथ्यपरक, संतुलित और संवाद को प्रोत्साहित करने वाला हो। सबरीमाला प्रकरण हमें यह अवसर देता है कि हम आस्था और अधिकारों के बीच संतुलन को समझें, न कि टकराव को बढ़ाएँ। लोकतंत्र की शक्ति इसी में है कि विभिन्न दृष्टिकोणों के बीच सम्मानजनक संवाद बना रहे और अंतिम निर्णय को गरिमा के साथ स्वीकार किया जाए।

गौहत्या पर पूर्ण प्रतिबंध की आवश्यकता

संस्कृति, संवेदना और समाज का प्रश्न?

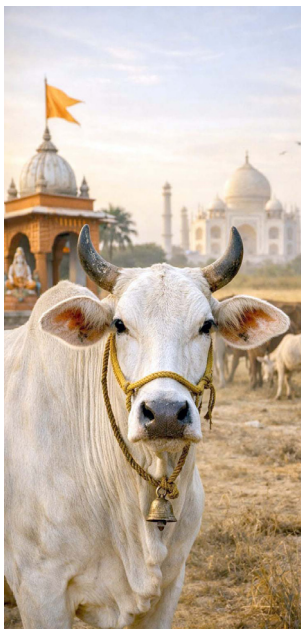

गौहत्या पर पूर्ण प्रतिबंध केवल धार्मिक आस्था का विषय नहीं, बल्कि भारतीय संस्कृति, ग्रामीण अर्थव्यवस्था, पशु-कल्याण और सामाजिक संवेदनशीलता से जुड़ा एक व्यापक राष्ट्रीय मुद्दा है। भारत में गाय को प्राचीन काल से पूजनीय माना गया है और उसे मातृत्व, करुणा तथा समृद्धि का प्रतीक समझा जाता है, इसलिए गौहत्या करोड़ों लोगों की भावनाओं को आहत करती है। इसके साथ ही गाय ग्रामीण अर्थव्यवस्था का महत्वपूर्ण आधार रही है–दूध, गोबर, गौमूत्र और जैविक खेती में उसका योगदान किसानों के लिए उपयोगी है। पशु-अधिकार के दृष्टिकोण से भी गौहत्या पर नियंत्रण की मांग पशुओं के प्रति संवेदनशीलता को दर्शाती है। हालांकि, केवल प्रतिबंध की मांग पर्याप्त नहीं है; इसके साथ बेसहारा और अनुपयोगी पशुओं के संरक्षण, गौशालाओं के विकास, किसानों पर आर्थिक बोझ कम करने तथा प्रभावी कानूनी व्यवस्था की भी आवश्यकता है। इसलिए गौहत्या पर चर्चा केवल भावनात्मक नहीं बल्कि व्यावहारिक और संतुलित नीति के साथ होनी चाहिए, ताकि सांस्कृतिक सम्मान, पशु-कल्याण और सामाजिक सामंजस्य–तीनों सुरक्षित रह सकें।

ANURAG SHUKLA
Chief Editor

गौहत्या बंद करने की मांग केवल परंपरा का आग्रह नहीं, बल्कि यह सांस्कृतिक सम्मान, पशु-कल्याण और ग्रामीण अर्थव्यवस्था के संरक्षण से जुड़ा विषय है। हालांकि, इस मुद्दे पर समाधान संवेदनशील, व्यावहारिक और समावेशी नीतियों के साथ होना चाहिए ताकि समाज में संतुलन और सद्भाव बना रहे।

अप्रैल में नवी मुंबई में 2,500 से ज्यादा अवैध फेरीवालों को हटाया गया

गौरव सिंह/नवी मुंबई

नवी मुंबई - नवी मुंबई म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन ने अपने अतिक्रमण हटाने के ऑपरेशन में काफी तेजी लाई है, अकेले अप्रैल में 2,500 से ज्यादा बिना इजाजत वाले फेरीवालों को हटाया है। यह कदम पैदल चलने वालों की जगहों को वापस पाने और खास शहरी इलाकों में भीड़ कम करने की एक बड़ी पहल का हिस्सा है।

यह कार्रवाई बॉम्बे हाई कोर्ट की कड़ी टिप्पणियों के बाद की गई है, जिसमें फेरीवालों को रेगुलेट करने में देरी पर जोर दिया गया था और जनता के बिना रुकावट वाले फुटपाथ के अधिकार की पुष्टि की गई थी। इसके जवाब में, सिविक अधिकारियों ने लगातार, चौबीसों घंटे कार्रवाई शुरू की, खासकर वाशी, नेरुल, ऐरोली और बेलापुर जैसे ज्यादा ट्रैफिक वाले इलाकों को टारगेट करते हुए।

अधिकारियों ने देखा कि वेंडर अक्सर शाम के समय लौटने की कोशिश करते थे, जिससे लगातार कार्रवाई पक्का करने के लिए कई शिफ्ट वाली टीमों को तैनात किया गया। ठाणे-बेलापुर रोड और सायन-पनवेल हाईवे जैसी बड़ी सड़कों को भी साफ कर दिया गया है, जिससे ट्रैफिक में काफी सुधार हुआ है। आने-जाने वालों ने तुरंत फायदे बताए हैं, खासकर रेलवे स्टेशनों के आसपास जहाँ पहले फुटपाथ इस्तेमाल करने लायक नहीं थे। कई लोगों ने खाली की गई जगहों को पीक आवर्स में बड़ी राहत बताया।

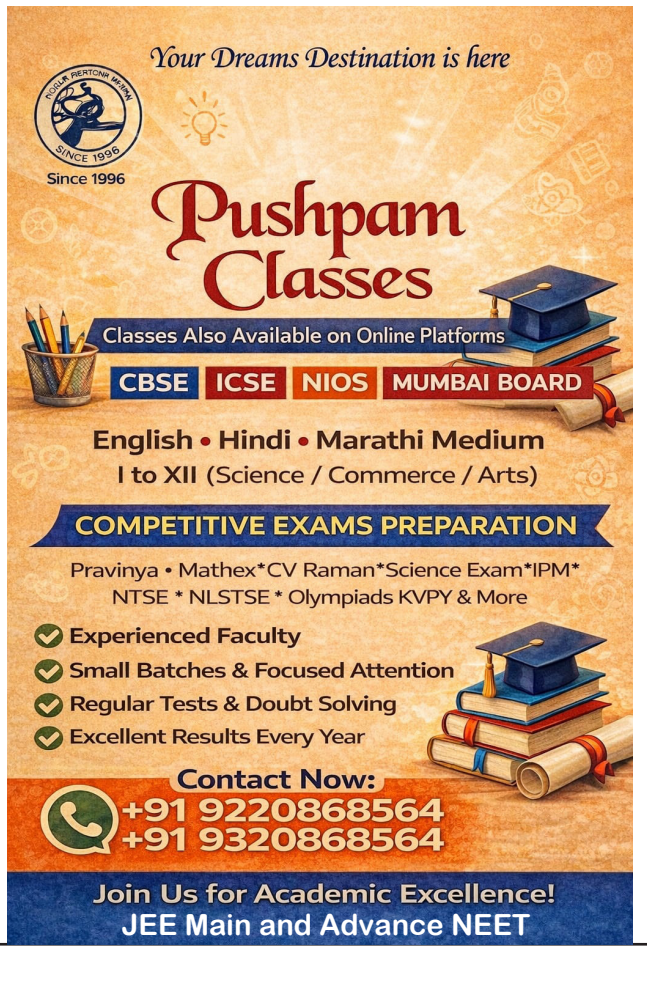

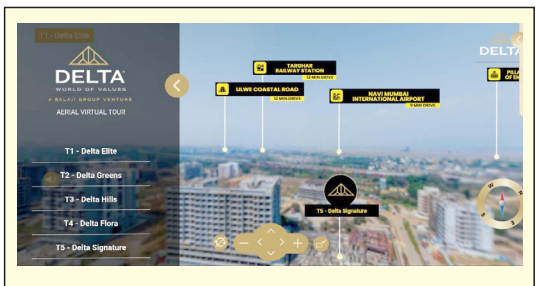

Step into the Future with ASR Digi!

Imagine exploring properties, products, and places without leaving your home! With our state-of-the-art Virtual Reality Tours, your audience can experience your offerings like never before.

Our Services Include:
- Immersive Virtual Tours
- Captivating Drone Videography
- Realistic 3D Renders
- Scale Models
- Influencer & YouTube Marketing
- Professional Website Development
- Side Branding with LED Screens

Don't just tell your Story-show it in stunning detail!

Contact us today!
Satish Pandey from Navi Mumbai
8879895829 / 9619574572
www.asrdigi.com

प्यूपिल्स टाइम्स

डॉ. भीमराव अंबेडकर की जीवनी में शिक्षक की महत्ता

Narayan Pandey
Manager
(Signal Telicom)
Meja, Prayagraj

भीमराव रामजी अंबेडकर के जीवन में शिक्षकों की भूमिका अत्यंत निर्णायक और प्रेरणादायी रही। सामाजिक भेदभाव और विपरीत परिस्थितियों के बीच भी जिन व्यक्तियों ने उनके

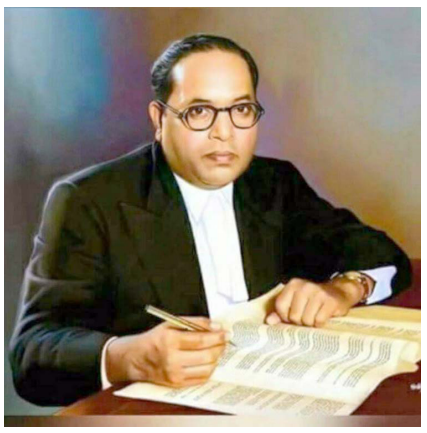

भीतर ज्ञान के प्रति विश्वास जगाया, उनमें उनके शिक्षक प्रमुख थे।

उनके प्रारंभिक जीवन में एक ब्राह्मण शिक्षक महादेव अंबेडकर का विशेष योगदान माना जाता है, जिन्होंने न केवल उन्हें स्नेह और सम्मान दिया, बल्कि उनका उपनाम 'सकपाल' से बदलकर 'अंबेडकर' रखा, जो आगे चलकर उनकी पहचान बना। उस समय जब समाज में छुआछूत की कठोरता थी, ऐसे शिक्षक का समर्थन उनके आत्मविश्वास को सुदृढ़ करने वाला था। इसके अतिरिक्त, उनके शिक्षकों ने उन्हें केवल पाठ्यज्ञान ही नहीं दिया, बल्कि शिक्षा के माध्यम से सामाजिक परिवर्तन की शक्ति का बोध भी कराया। यही कारण है कि अंबेडकर ने शिक्षा को मुक्ति का साधन माना और प्रसिद्ध नारा दिया

शिक्षित बनो, संगठित रहो, संघर्ष करो।

उनकी उच्च शिक्षा के दौरान भी अनेक विद्वान शिक्षकों और मार्गदर्शकों का प्रभाव रहा, जिन्होंने उन्हें वैश्विक दृष्टिकोण प्रदान किया। इस प्रकार, उनके जीवन में शिक्षक केवल ज्ञानदाता नहीं, बल्कि मार्गदर्शक, प्रेरक और सामाजिक चेतना के निर्माणकर्ता थे।

डॉ. अंबेडकर की सफलता और उनके विचारों की गहराई के पीछे शिक्षकों का महत्वपूर्ण योगदान रहा, जिसने यह सिद्ध किया कि एक संवेदनशील और समर्पित शिक्षक किसी भी व्यक्ति के जीवन की दिशा बदल सकता है।

महालक्ष्मी पैराडाइज फेस-2 में शिव-भीम जयंती पर दिखा उत्साह का संगम

अंबरनाथ - महालक्ष्मी पैराडाइज फेस-2 में 14 अप्रैल को छत्रपति शिवाजी महाराज और डॉ. बाबासाहेब अंबेडकर की संयुक्त जयंती धूमधाम से मनाई गई। अध्यक्ष श्री स्वप्निल कांबले के नेतृत्व में सुबह से रात तक चले आयोजन को सफल बनाने में सोसायटी के हर वर्ग ने योगदान दिया।

आकाश मोरे, गणेश सूर्यवंशी, अविनाश तेलोरे, राहुल अहिरे और प्रवीण जाधव ने आकर्षक रौशनी से परिसर जगमगा दिया। रोहित लखांबरे, गौरव बोरुडे, सागर पाटील, अविनाश शिंदे और प्रशित खरात ने रंग-रोगन कर सुशोभन किया। शरद बोरुडे, दिनेश लखांबरे, महेश पंडित, संजय गवळी सहित वरिष्ठों ने भोजन व्यवस्था संभाली। मारुती जाधव, जानू सपाटे, जनार्दन खरात ने धार्मिक विधि निभाई। देवदत्त सरवदे ने अल्पाहार और दिनेश लखांबरे ने जल सेवा दी। गोरक्षनाथ साबळे ने मनोरंजक खेल कराए।

शुक्रांती-सान्वी चौगुले, श्रेयशी काळे, शुभ्रा सूर्यवंशी, किमया गवळी, अर्पिता तिवारी के भाषण, गायन व नृत्य ने समां बांधा। प्रवीण जाधव ने संचालन किया और रोशन अडकमोल ने कुल्फी से मधुर समापन किया।

नवी मुंबई एयरपोर्ट : सिडको ने तीसरे रनवे की फि ज़िबिलिटी स्टडी शुरू की

एमएमआर में हवाई ट्रैफि क 150 तक पहुँचने की उम्मीद

नवी मुंबई - सिटी एंड इंडस्ट्रियल डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन (CIDCO) ने नवी मुंबई इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर प्रस्तावित

तीसरे रनवे के लिए एक टेक्नो-कमर्शियल फि ज़िबिलिटी स्टडी करने के लिए RITES लिमिटेड और Creative Group LLP के एक जॉइंट वेंचर को कंसल्टेंट नियुक्त किया है। उम्मीद है कि यह स्टडी छह महीने के भीतर पूरी हो जाएगी। यह कदम मुंबई मेट्रोपॉलिटन रीजन (MMR) में हवाई ट्रैफि क की बढ़ती माँग के बीच उठाया गया है और इसका उद्देश्य एयरपोर्ट की लंबी अवधि की विस्तार क्षमता का आकलन करना है।

गौरव सिंह – नवी मुंबई

इस फैसले पर 15 अप्रैल को विजय सिंघल की अध्यक्षता में हुई एक उच्च-स्तरीय बैठक में चर्चा की गई, जिसमें CIDCO के वरिष्ठ अधिकारी और RITES तथा Creative Group LLP के प्रतिनिधि मौजूद थे। सिंघल ने कहा, नवी मुंबई इंटरनेशनल एयरपोर्ट की परिकल्पना मुंबई मेट्रोपॉलिटन रीजन की लंबी अवधि की जरूरतों को पूरा करने वाले एक विश्व-स्तरीय एविएशन हब के रूप में की गई है। आने वाले दशकों में हवाई ट्रैफि क में काफी बढ़ोतरी होने की उम्मीद है, इसलिए पहले से योजना बनाना जरूरी है। इस फि ज़िबिलिटी स्टडी के लिए कंसल्टेंट की नियुक्ति भविष्य के लिए तैयार इंफ्रास्ट्रक्चर के प्रति CIDCO के सक्रिय दृष्टिकोण को दर्शाती है। प्रस्तावित तीसरा रनवे क्षमता और दक्षता बढ़ाने, तथा NMIA को एक प्रमुख वैश्विक प्रवेश द्वार के रूप में स्थापित करने की दिशा में एक अहम कदम होगा।

विरासत का व्याकरण: सुरों की साधना और समय का संतुलन

दिल चीज क्या है, आप मेरी जान लीजिए, यह केवल एक मधुर गीत की पंक्ति नहीं, बल्कि उस भावनात्मक गहराई और अभिव्यक्ति की पराकाष्ठा का प्रतीक है, जिसने आशा भोसले को भारतीय संगीत का अद्वितीय स्वर बना दिया। उनके प्रति श्रद्धांजलि व्यक्त करना केवल एक कलाकार को याद करना नहीं, बल्कि उस युग को स्मरण करना है जहाँ साधना, अनुशासन और निरंतर अभ्यास ही उत्कृष्टता का आधार थे।

सांचे को तोड़ती एक आवाज

संगीत जगत में प्रारंभिक दौर में आशा जी को प्रायः हल्के-फुल्के या चुलबुले गीतों तक सीमित करने का प्रयास हुआ। परंतु उन्होंने अपनी प्रतिभा और परिश्रम से इस धारणा को बदला। 'पिया तू अब तो आजा' से लेकर 'दिल चीज क्या है' तक का उनका सफर यह सिद्ध करता है कि सच्ची कला किसी एक दायरे में सीमित नहीं होती। यह सशक्तिकरण का वह स्वरूप है जो बाहरी परिभाषाओं से नहीं, बल्कि आंतरिक दृढ़ता से जन्म लेता है।

साधना और तकनीक का संतुलन

आज के समय में तकनीक संगीत का अभिन्न हिस्सा बन चुकी है। ऑटो-ट्यून और डिजिटल माध्यमों ने प्रस्तुति को सरल अवश्य बनाया है, किंतु आशा जी का दीर्घ और समृद्ध करियर यह दर्शाता है कि मूल शक्ति अब भी साधना और स्वाभाविक प्रतिभा में ही निहित है। उन्होंने वर्षों के रियाज, अनुशासन और प्रयोगधर्मिता से अपनी आवाज को उस ऊँचाई तक पहुँचाया, जहाँ तकनीक केवल सहायक बनकर रह जाती है, विकल्प नहीं।

एक प्रेरक सांस्कृतिक यात्रा

आशा भोसले का जीवन केवल संगीत तक सीमित नहीं रहा, बल्कि यह आत्मनिर्भरता और आधुनिक तकनीक को अपनाने का भी उदाहरण है। सीमित संसाधनों से आरंभ कर उन्होंने अपनी पहचान को वैश्विक स्तर तक स्थापित किया। उनकी यात्रा आज के युवाओं के लिए यह संदेश देती है कि निरंतरता, लचीलापन और सीखने की प्रवृत्ति किसी भी क्षेत्र में सफलता की कुंजी हैं।

वर्तमान समय में जब समाज और नीतियाँ निरंतर परिवर्तनशील हैं, ऐसे में आशा जी की विरासत हमें यह सिखाती है कि मूल्यों और आधुनिक तकनीक के बीच संतुलन आवश्यक है। न तो परंपरा को पूर्णतः त्यागा जा सकता है और न ही आधुनिकता को नकारा जा सकता है। उनकी कला इन दोनों के सुंदर समन्वय का उदाहरण है।

दो शब्द और...

आशा भोसले की आवाज केवल संगीत नहीं, बल्कि समय की धड़कन है। उनका योगदान हमें यह याद दिलाता है कि सच्ची कला सीमाओं से परे होती है। बदलते दौर में भी उनकी विरासत प्रेरणा देती रहेगी कि उत्कृष्टता का मार्ग साधना, साहस और आधुनिक तकनीक के संतुलित उपयोग से होकर ही जाता है। और शायद इसी भाव को उनका एक और अमर गीत

इन आँखों की मस्ती के मस्ताने हजारों हैं, सहजता से व्यक्त करता है. जहाँ आवाज केवल सुनाई नहीं देती, बल्कि पीढ़ियों तक महसूस की जाती है।

Result Guarantee Above 90% or Money Back
If U R Not Joining Home Tuitions Then U R Missing Many Things
Mumbai's No.1 Premium Home Tuitions Academy
MUMBAI HOME & PRIVATE TUITIONS
1st to 10th ICSE / CBSE / IB / IGCSE / NIOS / State Boards
XI & XII Sci / Comm. IIT, NEET, MHT-CET
Engg, Degree, Diploma, B.Com, Bsc., BMS, MBA, Gmat, Cat, CET, English Speaking
Rajendra Deshmukh MANAGING DIRECTOR
Any Class Home Tuitions Across Mumbai
Get Admission in MBBS
NEET Qualified / Unqualified Fees 25 Lacs (Inc. Food Acc.)
ADMISSIONS OPEN
Branches : Andheri - Worli - Jogeshwari - Malad - Dadar - Borivali - Virar
Thane - Vashi - Nerul - Kharghar - Ambernath - Badlapur
Home Tuitions Benefits
1. We get personal attention but in class its not there. 2. We get Result guarranty but classes no result guarranty. 3. Syllabus Completion in our hand in classes we cannot complete in our time. 4. Its Time saving but in classes time wasted. 5. Here efficiency 10 times more than classes in classes low efficiency. 6. Class Time as per students convenience, in classes as per their time
Contact : 902 902 9222 / 80 80 80 34 12 / 8446642380 / 9209128153
https://www.mumbaihometutors.com

PRIME KEYS PROPERTIES
Beyond Dreams
BUY | SELL | RENT
FLATS • SHOPS • BUNGALOWS
LANDS • REDEVELOPMENT
Trusted Property Consultant
Residential & Commercial Deals
Best Market Price Assistance
Contact:
+91 9167378057
Your Dream Property, Our Priority

DR. ZUBER SHAH HOSPITAL & POLYCLINIC
Ambernath (W), Maharashtra
Nursing Home Reg. No.: THN-C274*
FACILITIES AVAILABLE
24x7 Emergency Care - Immediate Critical Support
Diabetology & Advanced Diabetic Care
Fever Treatment (Dengue, Chikungunya, Malaria, Influenza)
Cardiology Checkup & ECG Facility
General Medicine Consultation
Vaccination & Immunization Services
Minor Surgical Procedures
OPD & IPD Care Available
Complete Health Checkups
24 HOURS EMERGENCY SERVICE AVAILABLE
DR. ZUBER S. SHAH
M.B.B.S (Reg. No. 2024020955)
Cert. in Diabetology & Emergency Medicine
+91 9323594085 / 8237304085 | Buvapada, K B Road, Ward No. 2/2, Ambernath West, Thane.
Woolen Chawl OPD : 8:00 pm to 11:30 pm | OPD Amber Care : 8149477110

'पतनम्—सत्ता, श्रद्धाच अपराधजालस्य रहस्यम्'

(अन्तिम न्याय-उन्मुखः प्रसङ्गः)

दृश्यम् १ : पुलिस-गृहम् – प्रश्नोत्तरम्

अन्वेषणाधिकारीः
'अधुना तव समक्षं केवलं द्वे वस्तुनी स्तः—सत्यं च विधिः।'
आरोपितः
'सत्यं सवेर्षां दृष्ट्या भिन्नं भवति।'
अन्वेषणाधिकारीः
'किन्तु न्यायस्य दृष्ट्या एकमेव भवति।'
(पत्राणि उद्घाटयति)
'एतानि बैंक-अभिलेखाः, एते साक्षिणां वक्तव्याः, एतच्च डिजिटल-प्रमाणम्।'
आरोपितः
'यूयं पूर्वमेव निर्णीतवन्तः।'
अन्वेषणाधिकारीः
'नहि—प्रमाणानि एव निर्णायकानि भवन्ति।'

दृश्यम् २ : आर्थिक-अन्वेषण-कार्यालयः
ED अधिकारीः
'धनप्रवाहः धार्मिक-न्यासस्य नाम्ना प्रवृत्तः, किन्तु बहुषु खातेषु विभक्तः।'
विश्लेषकः
'एषा 'लेयरिंग' नाम वित्तीय-योजना अस्ति।'
ED अधिकारीः
'अर्थात् श्रद्धा-वेषेण व्यापारः प्रवर्तितः।'

दृश्यम् ३ : न्यायालयः
न्यायाधीशः
'न्यायालयः भावनायां न, प्रमाणेषु एव प्रतिष्ठितः।'
लोक-अभियोजकः
'एषः केवलं ठगी-प्रकरणं न, अपि तु विश्वास-दुरुपयोगस्य जालम् अस्ति।'
प्रतिरक्षा-वकीलः
'मम पक्षधरः पूर्वमेव दोषी इव चित्रितः।'
अभियोजकः
'न्यायः न जनमताधीनः।'

दृश्यम् ४ : प्रमाण-प्रस्तुति
अभियोजकः
'शताधिकाः शिकायताः प्राप्ताः।'
'वित्तीय-लेनदेनस्य स्पष्टः प्रतिरूपः दृश्यते।'
'साक्षिणां वक्तव्येषु समानता अस्ति।'
(मौनम्)

दृश्यम् ५ : प्रतिप्रश्नः
प्रतिरक्षा-वकीलः
'किं प्रत्यक्षं प्रमाणम् अस्ति?'
अभियोजकः
'आम्—डिजिटलं, प्रत्यक्षं च परिस्थितिजन्यम्।'
वकीलः
'किं एतत् संयोगः न स्यात्?'
अभियोजकः
'एतावन्तः समान-प्रकरणाः संयोगः न भवन्ति।'

दृश्यम् ६ : साक्षी (रेखा)
रेखाः
'मया उक्तं, किन्तु कोऽपि न विश्वसितवान्।'
वकीलः
'किमर्थम्?'
रेखाः
'यतः सः प्रभावशाली आसीत्।'

दृश्यम् ७ : आरोपितः न्यायाधीशः
'त्वं किं कथयसि?'
आरोपितः
'जनाः मम समीपे आशया आगच्छन्ति स्म।'
न्यायाधीशः
'त्वं किं दत्तवान्?'
आरोपितः
'उत्तरम्... अथवा नियन्त्रणम्।'

दृश्यम् ८ : समाजः
नागरिकः
'वयं विश्वासं कृतवन्तः।'
विशेषज्ञः
'एषः श्रद्धा-अन्धविश्वासयोः संघर्षः अस्ति।'

दृश्यम् ९ : अन्तिम-वादः
अभियोजकः
'एषः संगठित-जालम् अस्ति।'
प्रतिरक्षा-वकीलः
'विधिः संदेहेन न चलति।'
अभियोजकः
'संदेहः प्रमाणैः समाप्तः भवति।'

दृश्यम् १० : न्यायनिर्णयः
न्यायाधीशः
'प्रथमदृष्ट्या पर्याप्तानि प्रमाणानि दृश्यन्ते।'
'आरोपितः न्यायिक-निग्रहणाय प्रेष्यते।'
(हथौड़ा-पतनम्)

दृश्यम् ११ : कारागृह-प्रेषणम्
पत्रकारः
'त्वं किं वक्तुम् इच्छसि?'
(मौनम)
पुलिस-अधिकारीः
'चल।'

अन्तिम-स्वरः (Narration)
वाचकः
'एषा कथा केवलं एकस्य पुरुषस्य न आसीत्।'
'एषा श्रद्धा, सत्ता च अपराधस्य सीमायाः परीक्षा आसीत्।'
'न्यायालयः प्रवृत्तः... किन्तु समाजस्य प्रश्नः अद्यापि जीवति।'

भारतस्य दृष्ट्या अमेरिका-इजरायल-ईरान-संघर्षस्य प्रभावः

अमेरिका, इजरायल तथा ईरान इत्येतेषां मध्ये वर्धमानः संघर्षः केवलं पश्चिम-एशियायाः विषयः न, अपि तु सम्पूर्णस्य विश्वस्य अर्थ-राजनीतिक-सन्तुलनस्य प्रश्नः अस्ति। अस्य प्रभावः भारतस्य उपरि अपि स्पष्टतया दृश्यते।

भारतः स्वस्य ऊर्जा-आवश्यकतायाः महत्त्वपूर्णं भागं पश्चिम-एशियातः आयाति। अतः यदा तत्र युद्ध-संकटं वर्धते, तदा इन्धन-मूल्यानां तीव्रवृद्धिः भवति, यस्मात् महँगाई, परिवहन-व्ययः तथा औद्योगिक-उत्पादनं प्रभावितं भवति। होर्मुज-जलगलादि-मार्गेषु अस्थिरतायाः कारणात् आपूर्ति-व्यवस्था अपि बाधां प्राप्नोति।

तथा च खाड़ी-देशेषु निवसन्तः

बहुसंख्यकाः भारतीय-श्रमिकाः असुरक्षायाः परिस्थितिं अनुभवन्ति, कदाचित् तेषां रोजगारः अपि संकटग्रस्तः भवति। इदं भारतस्य सामाजिक-आर्थिक-सन्तुलनं प्रभावितं करोति।

किन्तु अस्मिन् एव परिदृश्ये भारताय केचन रणनीतिक-लाभाः अपि दृश्यन्ते। ऊर्जा-संकटस्य प्रभावात् भारतः वैकल्पिक-ऊर्जा-स्रोतः प्रति अधिकं ध्यानं ददाति, येन दीर्घकाले ऊर्जा-निर्भरता संतुलिता भवति। भारतस्य संतुलित-विदेशनीतिः च अस्यां स्थितौ तं वैश्विक-मञ्चे उत्तरदायित्वपूर्ण-शक्तिरूपेण प्रतिष्ठापयति।

एवं प्रकारेण इदं संघर्ष-परिदृश्यं भारताय तात्कालिकं आर्थिकं सामाजिकं च दुष्प्रभावं जनयति, किन्तु दीर्घकाले रणनीतिक-अवसरान् अपि उद्घाटयति।

17-23 अप्रैल 2026 : राष्ट्रीय-संसदीय-साप्ताहिक-परिदृश्यम्

संसदि विशेषसत्रस्य सम्भावना प्रमुखकेन्द्रे

अस्मिन् सप्ताहे संसदः विशेषसत्रस्य सम्भावना राष्ट्रीयस्तरे चर्चायां वर्तते, यस्मिन् विधायिक-विषयाः, नीतिसमीक्षा, प्रशासनिकसुधाराश्च इत्यादयः महत्वपूर्णाः विषयाः विमर्शाय अपेक्षिताः सन्ति। स्थायीसमितीनां बैठकानां माध्यमेन विविधमन्त्रालयानां प्रगतिविवरणानि अपि समुपस्थास्यन्ते।

राजनीतिकपरिदृश्यम् : निर्वाचनानन्तर-पुनर्गठनम्
राज्यस्तरेषु वर्तमानराजनीतिकस्थितेः अनन्तरं प्रमुखदलानि संगठनात्मकपुनर्गठनाय तथा रणनीतिकसमीक्षाय प्रवृत्तानि भविष्यन्ति।

प्रशासनिकस्तरे नीति-क्रियान्वयनस्य वेगवर्धनाय सम्भाविताः प्रशासनिकपरिवर्तनाः अपि चर्चायां आगमिष्यन्ति।

अर्थव्यवस्था : आँकडाः, बाजारः, वैश्विकसंकेताः च
चतुर्थ-तिमाही-कॉर्पोरेट-परिणामानां अन्तिमचरणे बाजारदिशा निर्णीयते।

मुद्रास्फीतेः (CPI/WPI) नवीनाः आँकडाः भारतीय-रिजर्व-बैंकस्य मौद्रिकनीतिं प्रभावितुं शक्नुवन्ति।

वैश्विकसंकेतानां कारणात् विदेशी-निवेशप्रवाहे अस्थिरता दृश्यते।

न्यायपालिका : महत्वपूर्णप्रकरणानां श्रवणम्
सर्वोच्चन्यायालये संवैधानिक-तथा-निर्वाचन-सुधारसम्बद्धानां प्रकरणानां श्रवणं प्रमुखरूपेण भविष्यति।

उच्चन्यायालयेषु भूमिविवादाः, नगरविकाससम्बद्धाः च प्रकरणाः प्रशासनिक-जवाबदेही-विषये निर्णयोन्मुखाः भविष्यन्ति।

शिक्षा तथा प्रतियोगीपरीक्षाः निर्णायकचरणम्
केषुचित् राज्येषु बोर्डपरीक्षाफलानां प्रकाशनप्रक्रिया प्रवर्तते।

UPSC, SSC तथा बैंकिङ्ग-परीक्षाणां नूतन-अधिसूचनाः आवेदनप्रक्रियाश्च सक्रियाः भविष्यन्ति।

JEE तथा NEET परीक्षासम्बद्धाः पूर्वतयारीचरणाः अन्तिमावस्थां प्राप्नुवन्ति।

क्रीडा : लीग-तथा-अन्तरराष्ट्रीय-स्पर्धाः
IPL तथा घरेलुक्रीडालिगेषु प्लेऑफ-प्रतिस्पर्धा तीव्रा भविष्यति।

बैडमिण्टन, कुश्ती तथा एथलेटिक्स इत्यादिषु भारतीयक्रीडकानां अन्तरराष्ट्रीय-भागग्रहणं वर्धिष्यते।

केषुचित् क्रीडाक्षेत्रेषु ओलम्पिक-योग्यता-स्पर्धाः निर्णायकचरणे भविष्यन्ति।

अन्तरराष्ट्रीयपरिदृश्यम् : कूटनीति तथा ऊर्जा-बाजारः
G20 तथा संयुक्तराष्ट्रसंघ स्तरीयेषु सम्मेलनेषु व्यापारः, सुरक्षा, जलवायुपरिवर्तनम् इत्यादिषु विषये चर्चा भविष्यति।

पश्चिम-आसिया-यूरोप-प्रदेशयोः भू-राजनीतिकस्थितिः ऊर्जा-बाजारं प्रभावितुं शक्नोति।

तेल-तथा-स्वर्ण-बाजारौ वैश्विक-मौद्रिकनीतिभिः प्रभावितौ भविष्यतः।

समग्रनिष्कर्षः अयं सप्ताहः विधायिकीयगतिविधीनां, आर्थिकसंकेतानां तथा वैश्विककूटनीतेः मध्ये नीतिनिर्माण-दृष्ट्या अत्यन्तं महत्वपूर्णः भविष्यति इति सम्भाव्यते।

'बोहाग बिहू असमस्य नववर्षः कृष्युत्सवश्च'

बोहाग बिहू असमप्रदेशस्य प्रमुखतमः व्यापकतया च आचर्यमाणः पर्वः अस्ति। एषः उत्सवः केवलं धार्मिकपरम्परा न अपितु असमीयसमाजस्य जीवनशैली कृषिपरम्परा च प्रत्यक्षतया प्रतिबिम्बयति। अयं पर्वः असमीयनववर्षस्य प्रतीकः अस्ति तथा च नवीनकृषिचक्रस्य आरम्भं सूचयति, यस्मात् ग्राम्यजीवने नूतनाशायाः नवजीवनस्यच आरम्भः भवति।

एषः पर्वः प्रतिवर्षं एप्रिल समीपे (ग्रेगोरियन पञ्चाङ्गानुसारम्) आचर्यते तथा बहुदिनपर्यन्तं जनानां मध्ये उत्साहं विस्तारयति। अयं 'रोंगाली बिहू' इति अपि कथ्यते यस्य अर्थः आनन्दपूर्णः उत्सवकालः इति भवति। अस्मिन् समये सम्पूर्णः असमप्रदेशः उत्सवमये वातावरणे परिवर्तते।

अयं पर्वः कृषिः प्रकृतिः च ग्रामीणजीवनं च सह गहनतया सम्बद्धः अस्ति। जनाः पारम्परिकवस्त्राणि धारयित्वा परस्परं मिलित्वा शुभकामनाः ददति तथा सामाजिकसौहार्दं वर्धयन्ति। ढोलवाद्येन पेपा-वाद्येन च सह बिहूगीतैः युक्तः पारम्परिकनृत्यः अस्य पर्वस्य प्रमुखं आकर्षणं भवति।

ग्रामेषु सामूहिकभोजनानि सांस्कृतिककार्यक्रमाः च आयोज्यन्ते, येन समाजे एकता सहयोगश्च सुदृढो भवति। अयं पर्वः प्रकृत्याः प्रति कृतज्ञतायाः तथा समृद्धकृषिफलस्य कामनायाः प्रतीकः अस्ति।

अन्ततः बोहाग बिहू असमप्रदेशस्य सांस्कृतिकैक्यं सामाजिकसमरसतां च सुदृढयति, तथा जनजीवने आनन्दस्य उत्साहस्य च नूतनां ऊर्जा संचारयति।

बुद्धिप्रेरणाशक्तिमती

Dr Vandana Mishra
M.A. NET(JRF) PHD

Mumbai Civic Body Commissioner Ashwini Bhide Orders Key Transfers Within 15 Days Of Taking

Mumbai: In a swift administrative overhaul, Brihanmumbai Municipal Corporation Commissioner Ashwini Bhide initiated a series of key transfers across the civic body within just 15 days of assuming office.

According to reports, several Assistant Commissioners, Deputy Commissioners and officers from the engineering cadre have been reassigned as part of the reshuffle aimed at streamlining governance and improving efficiency in Mumbai's civic administration.

Among the key changes, Deputy Chief Engineer cadre officer Jitendra Ghorade has been appointed as the full-time Assistant Commissioner of the B Ward. Meanwhile, the current B Ward Assistant Commissioner, Yogesh Desai, has been transferred to the D Ward, as reported by Marathi news portal Lokshahi.

In another key move, Santosh Salunkhe, who was serving as Assistant Commissioner in the C Ward, has also been shifted to the D Ward. In addition to his new posting, he has been given charge of the city's encroachment removal department, a critical portfolio in Mumbai's urban management.

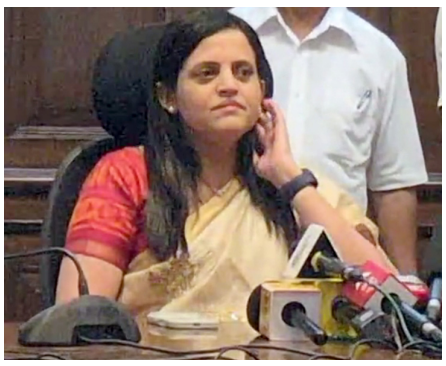

The reshuffle also includes the appointment of Alka Sasane, Assistant Commissioner from the market department, who has been assigned additional charge in the C Ward.

Officials noted that this is not the first round of transfers under Bhide's leadership. Earlier, four Assistant Commissioners were reassigned soon after she took charge. The latest round further expands the scope of administrative changes within the civic body.

According to the report, quoting sources within the BMC, the transfers are part of a broader effort to strengthen accountability and ensure better coordination across departments. The changes come at a crucial time as the civic body prepares to tackle key urban challenges, including infrastructure projects, monsoon preparedness, and encroachment issues.

The rapid pace of these decisions signals a proactive approach by the new commissioner, with a focus on administrative efficiency and on-ground implementation. Such reshuffles are often seen as a way to bring fresh momentum to governance by placing officers in roles best suited to their experience and expertise.

The Age of Artificial Intelligence: Will Up to 80% of Technical Work Change?

India Faces Opportunity, Risk, and a New Direction

Special Correspondent, Pupils Times

India stands at a critical technological crossroads where Artificial Intelligence (AI) is no longer just a tool it is becoming a transformative force reshaping work, employment structures, and society itself.

Experts suggest that in the coming decades, approximately 70–80% of routine programming and technical tasks could be handled by AI systems. This projection is both promising and concerning.

Is this a historic opportunity for India or an emerging challenge?

To explore this, Pupils Times presents a structured, respectful, and independent set of viewpoints from different experts.

Perspective I: Opportunities and Advantages of AI

(Insights attributed to Sonal Sarthak Upadhyay)

Shrimati Sonal Sarthak Upadhyay
Assistant Manager, International Bank

From an optimistic standpoint, AI represents a major leap in human capability comparable to the industrial revolution or the rise of the internet.

Key observations include:

- Significant Productivity Gains: Tasks that once took days can now be completed in hours or minutes.
- Acceleration of Innovation: Startups and smaller enterprises can compete at a global scale with limited resources.
- Transformation in Healthcare and Education: AI-driven diagnostics, personalized learning, and intelligent systems are improving quality of life.

Core Insight:

AI has the potential to position India as a global technology leader provided it is adopted thoughtfully and strategically.

Perspective II: Risks and Concerns Associated with AI

(Insights attributed to Ankit Shukla)

A more cautious perspective highlights the structural challenges that AI may introduce if not managed carefully.

Key concerns include:

Employment Disruption: Entry-level roles in coding, testing, and support functions may decline.

Skill Inequality: A divide may emerge between AI-enabled professionals and those with traditional skills.

Psychological and Social Pressure: Job insecurity may lead to stress, particularly among young professionals and mid-career engineers.

Data Privacy Risks: Increased reliance on AI systems raises concerns about data misuse and cybersecurity threats.

Core Insight:

AI is not inherently harmful, but unregulated or imbalanced adoption could create economic and social instability.

Perspective III: A Balanced and Strategic Approach

(Insights attributed to Shivani Upadhyaya)

A balanced view suggests that AI should neither be seen purely as a benefit nor as a threat but as a powerful tool requiring responsible use.

Key recommendations include: Adopt AI as a Collaborative Tool: Human intelligence and AI systems should complement each other.

Reform Education Systems: Focus on problem-solving, critical thinking, and adaptability.

Strengthen Skill Development: Continuous learning and reskilling must become central priorities.

Ensure Policy Support: Governments must create frameworks that balance innovation with social protection.

Core Insight: The future lies in human–AI collaboration, not competition.

Special Analysis: AI Timeline in India

Year	Expected Scenario
2025	Rapid AI adoption begins
2030	Noticeable impact on jobs
2040	Structural transformation of work
2050	70–80% automation possible.

Expert Commentary:

Anurag Shukla (Chief Editor Pupils Times)

"AI is not just a technological shift—it is a civilizational transition. The real question is not what machines can do, but how humans choose to adapt.

India possesses a strong demographic advantage and a robust IT foundation. If we modernize education, invest in skills, and design balanced policies, AI can become a historic opportunity.

However, without timely preparation, the same transformation may create serious challenges. Ultimately, the future will not belong to machines alone it will belong to humans working intelligently with machines."

Key Questions for the Nation

Is India's education system ready for the AI era?

Will engineers adapt quickly enough to changing skill demands? Can policy frameworks ensure balanced and inclusive growth? In the age of AI, the most critical assets are awareness, adaptability, and balance.

Artificial Intelligence marks the beginning of a new chapter in human progress. It is not merely a technological upgrade it is a transformation of how we think, work, and organize society.

The outcome of this transformation will depend on collective choices: Whether we shape AI into an opportunity or Allow it to evolve into a challenge Pupils Times – "Knowledge is Power"

Key benefits of the neem herb

Neem, scientifically known as Azadirachta indica is among the oldest and traditional herb used for alleviating various diseases in human beings. Its great usefulness is mentioned in many traditional medicine systems like Ayurveda and Unani. Not only the leaves but also other parts of a neem plant like bark, fruit, stem and roots are widely used to treat varieties of diseases. Do you know that neem is considered one of the best herbs to manage blood glucose?

Bioactive compounds of neem The main components of neem include azadirachtin along with other compounds like alkaloids, phenolic compounds, triterpenoids, flavonoids, ketones and steroids. The leaves of the neem plant contain ascorbic acid, amino acid, nimbin, nimbandiol, hexacosanol, nimbanene, polyphenolic flavonoids and Quercetin, while the seeds of this herb contain constituents like azadirachtin and gedunin.

Dr. Mishra Ashishkumar Prabhunath
BAMS (Mumbai)

Diabetes, affecting approximately one in 11 people worldwide, necessitates effective management to maintain daily routines. Neem, an ancient remedy, has shown promise in this regard. Studies reveal that neem's methanolic and aqueous extracts possess antidiabetic properties. Methanolic extract demonstrated improved oral glucose tolerance, reducing blood glucose levels. Notably, neem aids in reducing insulin dependence, benefiting patients. Research highlights neem leaf powder's efficacy in managing diabetes symptoms in non-insulin-dependent male patients. However, neem's usage varies globally. In herbal medicineoriented regions, neem is soughtafter for diabetes management, while in areas favoring modern medical treatments, neem's safety isn't universally endorsed.

PUPILS TIMES

Friday, 17 April to 23 April 2026

"Incisionless Surgery: The Transforming World of FUS Technology"

When a Tremor Stopped a Life

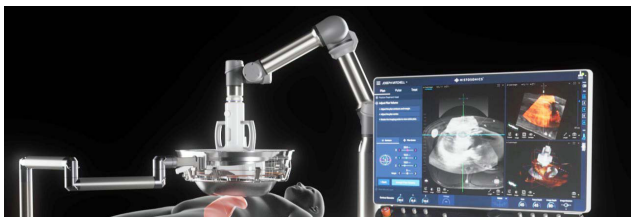

A 56-year-old woman from a modest family had been suffering for years from Essential Tremor. Even holding a cup of tea had become a struggle, and writing was almost impossible.

One day in the hospital, the doctor reviewing her reports said "Traditional surgery carries risk, especially at this age." The junior doctor standing beside him gently said "Sir… there is a newer option FUS."

The doctor asked "FUS?" The junior doctor replied "Focused Ultrasound Surgery… incisionless surgery." Beginning of Treatment: Without Opening the Operating Room The patient was placed inside an MRI scanner. No blade, no incision, no stitches.

The doctor instructed "Lock the target area." On the screen, a very small region of the brain was identified the part responsible for tremor. The junior doctor said "Ultrasound beams are now being focused."

Transformation in Moments Thousands of ultrasound waves were transmitted from outside the body and converged at a single point. At that focal point, controlled heat was generated and in that moment, the overactive brain activity responsible for tremor was calmed.

A few minutes later… The patient lifted her hand. This time, it was steady. She said in disbelief "My hand is no longer shaking…"

The doctor calmly replied "We did not touch the body… we only changed the signal."

What is FUS (Focused Ultrasound Surgery)?

FUS is a non-invasive surgical technology in which:

High-intensity ultrasound waves are delivered from outside the body

The target area is identified using MRI or advanced imaging

Energy is precisely focused to affect diseased tissue

No incision is made at any point

Key Applications

This technology is mainly used for:

Essential Tremor

Parkinsonian tremor (in selected cases)

Uterine fibroids

Certain tumor ablation procedures

Chronic pain management (selected indications)

Advantages

Incisionless procedure

Extremely low risk of infection

Faster recovery

Minimal pain and bleeding

Highly precise targeting

Short hospital stay

Limitations

Highly expensive technology

Not suitable for all diseases

Available only in selected hospitals

Targeting precision may vary in some cases

Limited long-term clinical data

Analysis: A New Phase in Medicine

This story is not just about a patient it reflects the evolving nature of medical science.

FUS indicates that future surgery will involve:

Less physical cutting of the body

Greater reliance on energy-based treatment

And a shift in the doctor's role from "operating" to "orchestrating precision"

FUS technology represents a silent revolution in modern medicine where treatment is defined not by incisions, but by precision.

It marks a future where medicine says "We did not cut the body… we understood the disease and eliminated it from within."

Our Cognitive Power

Dr. Arvindsingh Rana

MBBS, DNB (General Surgery)

General & Laparoscopic Surgeon | Coloproctologist FACRSI, FMAS, FIAGES

In a recent statement he said, Only those who understand the grace of bowing can truly wear the crown.

Womens Reservation Bill Should've Come 20–25 Years Ago - MODI

New Delhi: Prime Minister Narendra Modi on Thursday adressed the Lok Sabha during the debate on the Women's reservation and Delimitation bills. PM Modi said that the legislation should ideally have been implemented 20–25 years ago and suggested it could have been further refined over time.

"The need was that when this idea was first conceived 25-30 years ago, and the need was felt, we should have implemented it, and today we have brought it to a mature stage. According to the need, it is also improved from time to time, and this is the beauty of democracy," he said.

"Ours is the Mother of Democracy. Our democracy has been a development journey for thousands of years, and all of us

in this House have the auspicious opportunity to add a new dimension to this development journey," he added. He further said,"We have already delayed it. Whatever the reasons may be, whoever is responsible, we must accept this reality. I know that when this process was underway, consultations were held with all parties. Except for one party, everyone we met did not raise any principled opposition. Whatever happened later, a political direction is being taken now"

Speaking on the delimitation, PM Modi assured that the process will ensure fairness without discrimination, stressing that neither northern nor southern regions will face injustice in representation.

Earlier in the day, three Bills related to women's reservation and delimitation were introduced in the Lok Sabha.

West Bengal 2026: Electoral Impact Analysis

A Comparative Study of AITC and BJP Manifesto-Based Political Dynamics

(Pupils Times Special Report)

The 2026 West Bengal Assembly election is gradually shaping up as more than a routine electoral contest. It is increasingly reflecting a structured confrontation between two distinct governance philosophies one rooted in welfare-oriented statecraft, and the other driven by growth-centric structural transformation.

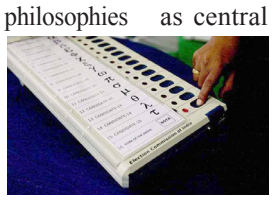

Rather than being defined purely by political rivalry, the election appears to be evolving into a broader referendum on development priorities, state capacity, and the future economic direction of West Bengal.

AITC: Welfare-Oriented Political Continuity

The electoral foundation of the All India Trinamool Congress (AITC) is primarily anchored in a welfare-based governance model. This framework emphasizes direct benefit delivery and social security as central instruments of public policy.

The party's voter base is significantly composed of women beneficiaries of cash transfer schemes, rural lower and middle-income households, elderly populations dependent on pensions, and other social security-linked groups. From an electoral perspective, this structure produces a relatively stable and low-volatility voting pattern. Beneficiary-linked populations tend to exhibit higher retention rates, especially when welfare delivery systems remain consistently operational.

In rural Bengal, this translates into a consolidated support base, reinforced by localized governance mechanisms and direct public service delivery systems.

Overall, AITC's electoral strength is derived from what can be described as a "stability-driven welfare coalition," where immediate socio-economic support plays a decisive role in sustaining political continuity.

BJP: Aspirational Growth-Centric Alternative In contrast, the Bharatiya Janata Party (BJP) presents a governance vision centered on industrial expansion, infrastructure development, and long-term economic transformation.

LIC

LIFE INSURANCE CORPORATION OF INDIA

"With you in life, and after life"

POPULAR LIC PLANS:

- Jeevan Labh — Limited Premium, High Returns
- New Children's Money Back — Secure Your Child's Future
- Jeevan Umang — Whole Life Cover + Pension Benefits
- Bima Jyoti — Guaranteed Additions, Safe Growth
- Also Available – Complete Financial Planning Guidance

KEY BENEFITS:

- Life Insurance + Savings Plan
- Child Education and Marriage Planning
- Retirement Planning
- Tax Benefits Available

भारतीय जीवन बीमा निगम

"जिंदगी के साथ भी, जिंदगी के बाद भी"

FREE POLICY CONSULTATION

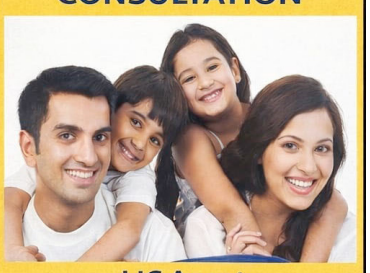

LIC Agent

Archana Shukla

+91 91129 39085

+91 74998 67628

Shop No. 2, Near Vithal Mandir, New Vadavali Chowk, Badlapur (West) – 421503

LIC Agent ID: 04497939

PUPILS TIMES

Core Committee

Anurag Shukla
Chief Editor

Shivprakash Pandey
Chief Publisher

Vikas Maurya
Co Publisher

Address: Shop No. 3, Khatri NX Aprt., Valivali, Badlapur (West) - 421503

Contact: 9004331751

Web: pupilstimes.com

(The editor does not necessarily agree with the news, articles, and advertisements published in this issue. Any disputes are subject to the jurisdiction of the Mumbai courts.)

Printed, Published & Owned by : **ANIL MISRA,** Printed at **SOMANI PRINTING PRESS Printing Press,** UNIT NO.04, GROUND FLOOR, N. K. INDUSTRIAL ESTATE, OFF. AAREY ROAD, GOREGAON (E) , MUMBAI, MAHARASHTRA - 400064. **Published at:** 94, 1/3 JAI JAWAN VASAHAT, SHIVSHRUSHTI ROAD, KURLA (EAST), MUMBAI - 400024 (MAHARASHTRA)

Editor - **ANIL MISRA** Mob: **92208 68564** **Email:** anilmisrapc@gmail.com **PRGI. No.: MHMUL/25/A2419**